द्विभाषीय – मासिक
ISSN (P) : 2321-290X ★ (E) 2349-980X
Vol 5 * Issue-1 * Sep, 2017
RNI No. : UPBIL/2013/55327

Srinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika

Indexed with Google scholar

Impact Factor
SJIF = 5.689
GIF = 0.543
IIJIF = 6.038

UGC Listed Journal

The Research Series

द्विभाषीय – मासिक

Shrinkhala
श्रृंखला

A Multi-Disciplinary International Journal

P: ISSN NO.: 2321-290X
E: ISSN NO.: 2349-980X
RNI : UPBIL/2013/55327
VOL-5* ISSUE-1* September- 2017
Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika

Contents

S. No.	Particulars	Page No.
1	Understanding the Economic and Financial Impacts of Natural Disasters Pradeep Mamgain, Srinagar, Uttarakhand	01-05
2	An Empirical Analysis of Training and Development Interventions at one of the Government Organization of Uttar Pradesh Tulika Saxena, Kanpur	06-10
3	A Psycho- Philosophical Perspective of Terrorism and Violation of Human Rights and Gandhian Ideology P. K. Srivastava, Muzaffarnagar	11-14
4	Entrepreneurship and Women's Empowerment: A Case Study in Paschim Medinipur Jaba Rani Patta & Ram Ranjan Routh, West Bengal	15-20
5	Does Personal Variables (Age, Gender, Marital Status, Experience and Organizational Experience) Moderate the Validity of Emotional Intelligence Relation with Organizational Role Stress? Sindhuja Mishra, Lucknow, Uttar Pradesh	21-27
6	Management of Dagdha Vrana with Kadali Patradana-A Cosmatoclinical Approach Sanjay Trivedi, Anand, Gujrat	28-31
7	Numerical Simulation of Queue Length, Waiting Time, Load Distribution in Cloud System for Different Traffic and Job Scheduling Models R.K. Shrivastava & Vikash Goswami, Gwalior, M.P.	32-36
8	Synthesis and Characterization of Thorium (IV) Iodide Complexes Using Bidentate Ligand (Donor NS) Yogesh Pandey , Anil Kumar & Chitranajana Kashyap, Jhansi, U.P.	37-39
9	Environmentally Destructive Tourism: A Case Study of Pushkar Valley Milan Kumar Yadav & Himanshu Singh Mahawar, Ajmer	40-46
10	Fuelwood Collection from Outer Himalayas: A Case Study of Kathua Forest Division Sandeep Singh & Indhu Bhushan, Jammu	47-53
11	Effect of Gender and Residence on Self Esteem and Happiness of Students Manju Mishra, Khalilabad,U.P.	54-59
12	Psychological Well-Being and Level of Religiosity in Parents of Children Suffering from Cancer Kiran Gupta & Kavita Koradia, Jaipur	60-66
13	An Analytical Study of the Senior Secondary Schools with Science Stream in Rajasthan (With Special Reference to the Schools in Dholpur District) Neetu Sharma, S. K. Mahto, Alwar, Rajasthan & R. K. Sharma, Dholpur, Rajasthan	67-70
14	राजस्थान की जनजातियों का भौगोलिक अध्ययन (प्रतापगढ़ जिले के विशेष संदर्भ में) धर्मेन्द्र कुमार खटीक, जयपुर, राजस्थान	71-78
15	मालवा का ऐतिहासिक भूगोल : संस्कृत साहित्य के विशेष संदर्भ में रागिनी राय, इलाहाबाद	79-8
16	औपनिवेशिक काल में माण्टेग्यु–चेम्सफोर्ड सुधार, 1919 के अधीन स्थानीय स्वषासन तथा संयुक्त प्रान्त में इसका क्रियात्मक स्वरूप राजेश कुमार शर्मा, रूधौली, बस्ती	84-9
7	महिला विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर जनप्रतिक्रियाओं का अनुभवमूलक अध्ययन (चूरू जिले के विशेष सन्दर्भ में) वीना ढेनवाल, चूरू	91-9

P: ISSN NO.: 2321-290X
E: ISSN NO.: 2349-980X
RNI : UPBIL/2013/55327
VOL-5* ISSUE-1* September- 2017
Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika

महिला विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर जनप्रतिक्रियाओं का अनुभवमूलक अध्ययन (चूरू जिले के विशेष सन्दर्भ में)

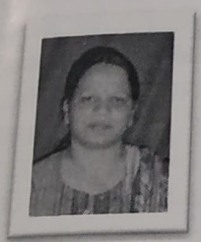

वीना ढेनवाल
व्याख्याता,
राजनीति विज्ञान,
लोहिया महाविद्यालय,
चूरू

सारांश

यह शोध चूरू जिले में महिला विकास कार्यक्रमों पर जनप्रतिक्रियात्मक अध्ययन से सम्बन्धित है। इसमें प्रश्नावली एवं व्यक्तिगत सम्पर्क कर सर्वेक्षण कार्य किया गया तथा प्राप्त सामग्री का विश्लेषणात्मक वर्णन किया गया है। सर्वप्रथम विभिन्न विभागों द्वारा संचालित महिला विकास कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की गई है। तत्पश्चात इन कार्यक्रमों के सफलता की वास्तविकता जानने के लिए 300 व्यक्तियों से प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी प्राप्त तथा स्वंय अवलोकन तथा विभागीय प्रतिवेदन से प्राप्त जानकारी का सारिणीकरण कर विश्लेषणात्मक एवं मूल्यांकन का कार्य किया गया है।

मुख्य शब्द : महिला विकास कार्यक्रमों की स्थिति,जनप्रतिक्रियाओं का अनुभवमूलक अध्ययन।

प्रस्तावना

महिलायें एवं बालिकायें समाज का अभिन्न अंग होती है। देश के विकास में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलायें आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। सरकार द्वारा आधी आबादी के विकास के लिये विभिन्न योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है ताकि महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक इत्यादि सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर, स्वावलम्बी व सशक्त बनाकर समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जा सकें।

योजनाओं की क्रियान्विती की दशा एवं दिशा जानने के लिए जनप्रतिक्रियात्मक अनुभवात्मक अध्ययन किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग, चूरू द्वारा महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र नियमन एवं अनुदान योजना, सामूहिक विवाह नियमन एवं अनुदान योजना, जिला महिला समिति इन्दिरा गांधी मातृत्व योजना, स्वावलम्बन योजना, कलेवा योजना, स्वंय सहायता समूह योजना, अमृता सोसायटी, मिशन ग्राम्या शक्ति, ब्याज अनुदान योजना, महिलाओं को बेसिक कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना, स्वंय सहायता कार्यक्रम, राशन की दुकान आवंटन, सबला तथा किशोरी शक्ति, मुख्यमंत्री सात सूत्री कार्यक्रम, सुकन्या समृद्धि, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ, धनलक्ष्मी, महिला समृद्धि केन्द्र, अपराजिता इत्यादि कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा ह[1]।

चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा नियमित टीकाकरण कार्यक्रम, परिवार कल्याण बीमा योजना, जननी सुरक्षा योजना, बालिका सम्बल योजना, जननी शिशु सुरक्षा योजना, ज्योति योजना, जननी शिशु सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री शुभलक्ष्मी योजना, संशोधित राजश्री, मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना, बीपीएल जीवन रक्षा कोष, परिवार कल्याण, धनन्वतरी एम्बुलेंस योजना 108, जननी एक्सप्रेस योजना, हमारी बेटी एक्सप्रेस योजना, टोल फ्री चिकित्सा परामर्श सेवा केन्द्र, हैल्थ एण्ड हाईजीन इत्यादि योजनाओं का संचालन किया जा रहा है[2]।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग से महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी कार्यक्रम, इन्दिरा आवास योजना, भामाशाह योजना, ग्रामीण आजीविका विशन, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना, स्वविवेक जिला विकास योजना, विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, सांसद आदर्श ग्राम योजना, मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत योजना तथा श्री योजना इत्यादि संचालित की जा रही है[3]।

पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित योजनाएं निर्मल ग्राम पुरस्कार योजना, निर्मलग्राम पंचायत विकास योजना, राज्य स्तरीय अवार्ड, जनता जल योजना, मिड–डे मील कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना, आवासीय भूखण्ड आवंटन योजना इत्यादि कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है।[4]

कार्यालय जिला शिक्षा माध्यमिक के द्वारा जिले में संचालित महिला शिक्षण विहार सतत शिक्षा कार्यक्रम असाक्षर महिला शिक्षण शिविर, टासपोर्ट वाउचर, सांईकिल वितरण, प्रोत्साहन योजना, गार्गी पुरस्कार, आर्थिक सबलता पुरस्कार, आपकी बेटी योजना, राइट टू एज्यूकेशन, सर्व शिक्षा अभियान, व्यावसायिक कौशल उन्नयन एवं आय अभिवृद्धि प्रशिक्षण शिविर, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना, छात्रवृति योजना, छात्रावास/आवासीय विद्यालय योजना, समावेषित शिक्षा, इन्सपायर अवार्ड, राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल योजना, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा तथा राज्य सरकार द्वारा देय मुख्यमंत्री मेधावी स्कूटी वितरण एवं छात्रवृति योजना इत्यादि योजनाएं संचालित की जा रही है [5]।

कार्यालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहयोग से निःशुल्क छात्रवृति योजना, विश्वास योजना, आस्था योजना, सुखद दाम्पत्य जीवन योजना, निःशक्त सहायता योजना, विमंदित महिला एवं बाल गृह, पालनहार योजना, छात्रावास योजना, अन्तर्जातीय विवाह योजना, अनुदान सहायता योजना, विधवाओं की पुत्रियों के विवाह के लिए अनुदान योजना, मुख्यमंत्री वृद्धावस्था, एकल नारी सम्मान एवं विशेष योग्यजन, सम्मान पेंशन योजना, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था इत्यादि कार्यक्रम एवं योजनाएं संचालित की जा रही है [6]।

कार्यालय जिला उद्योग केन्द्र, चूरू के सहयोग से महिला गृह उद्योग योजना, स्वंय सहायता समूह गठन योजना, ब्याज अनुदान, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन तथा मुख्यमंत्री स्वावलम्बन इत्यादि योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है[7]।

जिला परिवहन कार्यालय द्वारा महिलाओं का समूह में यात्रा करने पर रियायती योजना तथा सहकारी विभाग द्वारा महिला विकास ऋण योजना कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

उद्देश्य

1. चूरू जिले में महिलाओं की सामाजिक राजनीतिक तथा आर्थिक प्रस्थिति का विवरण प्रस्तुत करना।
2. चूरू जिले में महिलाओं की निम्न प्रस्थिति के कारणों को रेखांकित करना।
3. चूरू जिले में महिला विकास नीतियों, कार्यक्रमों तथा कानूनों की वस्तुस्थिति का अवलोकन करना।
4. महिला विकास कार्यक्रमों के संचालन में जनप्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करना।
5. महिला विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं एवं समस्याओं को चिन्हीत करना।

कल्पना

चूरू जिले में महिलाओं की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, पारिवारिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रस्थिति चिन्ताजनक है।

2. महिला विकास कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन में समाज तथा लोक प्रशासन व्यवस्था दोनों ही पूर्ण रूचि नहीं लेते है।
3. महिला विकास कार्यक्रमों की क्रियान्विती नौकरशाही के दोषों से गस्त है उनकी सार्थक भूमिका सामने नहीं आ रही है।
4. महिला कल्याण एवं विकास की योजनाएं स्थानीय आवश्यकता के अनुसार नहीं बनाई जाती है।
5. महिला विकास में बाधक तत्वों के निराकरण द्वारा विकास की गति दी जा सकती है।

शोध प्रविधि

इस शोध कार्य का क्षेत्र मूलतः राजस्थान के चूरू जिले में संचालित हो रहे महिला–विकास कार्यक्रमों तथा उनके क्रियान्वयन का विश्लेषण करने तक सीमित है। शोधार्थी द्वारा जिले के विभिन्न विभागों महिला एवं बाल विकास, सूचना एवं जनसम्पर्क, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, ग्रामीण एवं पंचायत राज, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, उद्योग, खेल एवं युवा मामलो का विभाग, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, सहकारी विभाग तथा अल्पसंख्यक मामलात विभाग में जाकर स्वयं तथ्य एकत्रित किये गये है। दैव निदर्षन पद्धति से 300 उत्तरदाताओं का चयन कर उनसे प्रष्नावली भरवाकर जानकारी प्राप्त की गई। प्राप्त प्रतिक्रियाओं का सारणीयन कर यथोचित सांख्यिकीय विधि से उनका विष्लेषण किया गया है। प्राथमिक स्त्रोत, अवलोकन, साक्षात्कार तथा संरचित अनुसूची के माध्यम से एकत्र किये गये है।

विषय से सम्बन्धित पुस्तकों, ग्रन्थो, रिपोर्टो, शोध प्रतिवेदनों, कानूनों, नीतियों, लेखो तथा समाचार सामग्री इत्यादि के माध्यम से द्वितीयक तथ्य एकत्र किये है।

उत्तरदाता समूह की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक तथा लिंगात्मक स्थिति

जिले में संचालित महिला विकास कार्यक्रमों की दशा एवं दिशा जानने तथा समुचित सुधार के सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से शोधार्थी ने चूरू जिले में दैव निदर्शन पद्धति से 300 उत्तरदाताओं का चयन कर उनसे प्रश्नावली भरवाकर जानकारी प्राप्त की गई। समूह में लगभग सभी आयु वर्ग के उत्तरदाताओं का प्रतिनिधित्व है। 10 से 20 आयु वर्ग के 32 व्यक्ति, 21 से 30 आयु वर्ग के 114 व्यक्ति, 31 से 40 आयु वर्ग के 101 व्यक्ति, 41 से 50 आयु वर्ग के 50 व्यक्ति तथा 51 से 60 आयु वर्ग के 03 व्यक्ति शामिल है।

क्षेत्रीय प्रतिनिधि में 50 शहरी उत्तरदाताओं तथा 250 ग्रामीण उत्तरदाताओं का चयन किया गया है। लिंगात्मक प्रतिनिधित्व के अन्तर्गत महिला वर्ग को प्राथमिकता देते हुए 268 महिलाओं का तथा 32 पुरूषों का चयन किया गया है। इसमें से 260 विवाहित, 30 अविवाहित, 08 विधवा तथा 02 तलाकशुदा है।

शैक्षणिक स्तर के अन्तर्गत साक्षर से लेकर स्नातकोतर शिक्षा प्राप्त उत्तरदाता शामिल है 74 व्यक्तिसाक्षर, 92 व्यक्ति प्राथमिक शिक्षा प्राप्त, 38 व्यक्ति मिडल प्राप्त, 70 व्यक्ति दसवीं तक शिक्षा प्राप्त, 30 व्यक्ति

RNI : UPBIL/2013/55327
P: ISSN NO.: 2321-290X
E: ISSN NO.: 2349-980X
Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika
VOL-5* ISSUE-1* September- 2017

तक शिक्षित, 30 स्नातकोतर उतीर्ण तथा 36 व्यक्ति स्नातकोतर शिक्षा प्राप्त है।

समूह में विभिन्न जाति वर्ग के व्यक्ति शामिल है सामान्य वर्ग में 16 व्यक्ति, अनुसूचित जाति 142 व्यक्ति, अनुसूचित जनजाति 08 व्यक्ति, अन्य पिछड़ा वर्ग 126 व्यक्ति तथा अन्य वर्ग से 08 व्यक्तियों का चयन किया गया है।

समूह में 35 उत्तरदाता खेती करने वाले, मजदूर वर्ग से 42 व्यक्ति, निजी व्यवसाय करने वाले 16 व्यक्ति, सरकारी नौकरी 25 व्यक्ति, गृहणिया 142 तथा 40 आंगन बाड़ी कार्यकर्ता है। इसी तरह 2000 से लेकर 1000 से अधिक आय वाले उत्तरदाता सम्मिलित है 70 व्यक्ति 2000 से कम मासिक आय वाले, 80 व्यक्ति 4000 रू. तक कमाने वाले, 70 व्यक्ति 6000 रू. कमाने वाले, 30 व्यक्ति 8000 रू. तक आय वाले, 20 व्यक्ति 10000 रू. आय वाले तथा 30 व्यक्ति 10000 रू. से अधिक आय वाले है।

प्रश्नावली से प्राप्त जानकारी एवं तथ्यों का सारणीकरण किया गया तथा इन्हे सारणी 1.1 से 1.20 तक दर्शाया गया है।

सारणी संख्या 1.1 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मिलने वाली सुविधा एवं जानकारी

आंगनबाड़ी केन्द्र की जानकारी	संख्या	प्रतिशत	सुविधाएं/जानकारी
हां	264	88	गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को पोषाहार, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा टीकाकरण, शालापूर्व शिक्षा
नहीं	36	12	

सर्वे के अनुसार जिले में 88 प्रतिषत व्यक्तियों को आंगनबाड़ी केन्द्रों और उनसे मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी है मात्र 12 प्रतिशत व्यक्ति ही आंगनबाड़ी केन्द्र की सुविधाओं से अनभिज्ञ है।

सारणी संख्या 1.2 स्वयंसेवी संस्थाओं की जानकारी एवं कार्य

स्वंयसेवी संस्थाओं की जानकारी	संख्या	प्रतिशत	कार्य
हां	138	46	पोषाहार, ऋण, बालिका, शिक्षा,स्वास्थ्य जागरूकता
नहीं	162	54	

जिले में किये गये सर्वे से पता चलता है कि मात्र 46 प्रतिशत व्यक्तियों को ही स्वयंसेवी संस्थाओं की जानकारी है। जनसंख्या का बड़ा भाग अर्थात 54 प्रतिशत व्यक्तियों को अभी भी स्वंय सेवी संस्थाओं की जानकारी का अभाव है।

सारणी संख्या 1.3 स्वयं सहायता समूहों के गठन की जानकारी का प्रतिशत

स्वंय सहायता समूहों के गठन की जानकारी	संख्या	प्रतिशत
हॉ	200	66.67
नहीं	100	33.33

सर्वे की सारणी संख्या 1.3 से पता चलता है कि जिले में 66.67 प्रतिशत लोगों को स्वंय सहायता समूह के गठन की जानकारी है। केवल 33.33 प्रतिशत लोग ही स्वंय सहायता समूह के गठन से अनभिज्ञ है।

सारणी संख्या 1.4 स्वंय सहायता समूह की सदस्यता एवं कार्य

स्वंय सहायता समूह की सदस्यता एवं कार्यों की जानकारी	संख्या	प्रतिशत	कार्य
हॉ	102	34	न्यूनतम ब्याज पर ऋण दिलवाना कुटीर उद्योग धन्धों का प्रतिशत तैयार वस्तुओं के लिए बाजार सुविधा उपलब्ध करवाना
नहीं	198	66	

जिले में किये गये सर्वे के अनुसार मात्र 34 प्रतिशत व्यक्तियों को एसएचजी के सदस्यों एवं उनके कार्यो की जानकारी है। आबादी का बड़ा भाग अर्थात 66 प्रतिशत लोगों को स्वयं सहायता समूह से मिलने वाले ऋण, चलने वाले उद्योग एवं इनसे तैयार होने वाली वस्तुओं की जानकारी नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जिले की अधिकांश महिलाए आज भी पिछड़ेपन के कारण सरकारी योजनाओं के साथ आपसी सहयोग से विकास करने में असमर्थ रही है।

सारणी संख्या 1.5 स्वंय सहायता समूहों को स्वैच्छिक संगठन द्वारा मदद की जानकारी

स्वंय सहायता समूह को एन.जी.ओ. द्वारा मदद की जानकारी	संख्या	प्रतिशत
हॉ	118	39.33
नहीं	182	60.67

सर्वे की सारणी संख्या 5 के अनुसार मात्र 39.33 प्रतिशत लोगों को ही एनजीओं द्वारा स्वयं सहायता समूहों को दिये जाने वाली मदद की जानकारी है। लेकिन 60.67 प्रतिशत लोगो को अभी भी एनजीओं से मिलने वाली मदद की जानकारी का अभाव है।

सारणी संख्या 1.6 महिला विकास कार्यक्रमों की जानकारी रखने वाले व्यक्ति

महिला विकास एवं कार्यक्रमों की जानकारी रखने वाले व्यक्ति/महिला	संख्या	प्रतिशत	कार्यक्रमों के नाम जिनकी जानकारी है।
हां	177	59	जननी सुरक्षा, टीकाकरण, पोषाहार, नरेगा, पेंशन योजना
नहीं	123	41	

जिले में मात्र 41 प्रतिशत लोगों को सरकार एवं एनजीओं द्वारा चलाये जा रहे महिला विकास कार्यक्रमों की जानकारी है। महिला आबादी का बड़ा भाग 59 प्रतिशत अभी भी सरकार व स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा इनके कल्याण के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों से अनभिज्ञ होने से

VOL-5* ISSUE-1* September- 2017
P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

लाभान्वित नहीं हो पा रहा है अतः जिले में महिला विकास की धीमी गति का यह एक प्रमुख कारण रहा है।

सारणी संख्या 1.7 महिला नीति के प्रावधानों की जानकारी

महिला नीति की जानकारी	संख्या	प्रतिशत	महिला नीति के प्रावधान
हां	145	48.33	महिलाओं को सशक्त बनाना महिला सुरक्षा के उपाय
नहीं	155	51.67	

सर्वे की सारणी संख्या 1.7 से पता चलता है कि जिले में आधी आबादी से भी कम अर्थात 48.33 लोगों को ही सरकार द्वारा जारी की गई महिला नीति की जानकारी है। लेकिन अभी भी जिले की आधे से भी अधिक महिलाएं सरकार की महिला नीति से अनभिज्ञ है।

सारणी संख्या 1.8 बालिका समृद्धि योजना की जानकारी

बालिका समृद्धि योजना	संख्या	प्रतिशत	जानकारी
हां	181	60.33	पुत्री जन्म पर प्रोत्साहन राशि देना
नहीं	119	39.67	

जिले में 60.33 प्रतिषत लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही बालिका समृद्धि योजना की जानकारी है। केवल 40 प्रतिशत महिलाएं ही बालिका समृद्धि योजना के बारे में जानकारी नहीं हैं।

सारणी संख्या 1.9 किशोरी शक्ति योजना की जानकारी

किशोरी शक्ति योजना	संख्या	प्रतिशत	जानकारी
हां	179	59.67	किशोर स्वास्थ्य शिक्षा विटामिन की गोलियां देना
नहीं	121	40.33	

उपरोक्त सारणी 1.9 के अनुसार सर्वे में शामिल व्यक्तियों में लगभग 60 प्रतिशत व्यक्तियों को सरकार की किशोरी शक्ति योजना एवं इससे मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी है। लेकिन 40 प्रतिशत व्यक्ति अभी भी सरकार से मिलने वाली सुविधाओं यथा किशोरी स्वास्थ्य, षिक्षा इत्यादि की जानकारी से अनभिज्ञ है।

सारणी संख्या 1.10 साथिन कार्यक्रम की जानकारी वाले व्यक्ति

साथिन कार्यक्रम की जानकारी	संख्या	प्रतिशत
हां	174	58
नहीं	126	42

सर्वे की सारणी संख्या 1.10 के अनुसार जिले में 58 प्रतिशत व्यक्तियों को साथिन कार्यक्रम योजना की जानकारी है और 42 प्रतिशत व्यक्तियों को अभी इस कार्यक्रम की जानकारी का अभाव है।

सारणी संख्या 1.11 महिला समृद्धि योजना की जानकारी

महिला समृद्धि योजना की जानकारी	संख्या	प्रतिशत	जानकारी
हां	138	46	अल्प बचत खाता खुलवाना
नहीं	162	54	

सर्वे के अनुसार जिले में 46 प्रतिशत लोगों को ही महिला समृद्धि योजना एवं इससे मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी है लेकिन जिले की आबादी का बड़ा भाग 54 प्रतिषत जानकारी के अभाव के कारण इस योजना से लाभान्वित नहीं हो पा रहा है।

सारणी संख्या 1.12 मातृत्व सहयोग योजना की जानकारी

मातृत्व सहयोग योजना	संख्या	प्रतिशत	जानकारी
हां	119	39.67	छात्री महिला एवं शिशुओं को पूरक आहार देना
नहीं	181	60.33	

सर्वे के अनुसार जिले में सरकार की मातृत्व सहयोग योजना एवं इससे मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी रखने वाले लोगों का प्रतिशत 39.67 है लेकिन जिले की आबादी का बड़ा भाग 60.33 प्रतिशत जानकारी के अभाव के कारण इस योजना से मिलने वाली सुविधाओं से लाभान्वित नहीं हो रहा है।

सारणी संख्या 1.13 राष्ट्रीय मातृत्व योजना की जानकारी व लाभान्वितों की संख्या

राष्ट्रीय मातृत्व न्याय योजना एवं लाभान्वित	संख्या	प्रतिशत	लाभान्वित की संख्या
हां	164	54.67	95 लोग लाभान्वित हुए है।
नहीं	136	45.33	

जनप्रतिक्रियात्मक सर्वेक्षण की सारणी संख्या 1.13 के अनुसार जिले में चल रही राष्ट्रीय मातृत्व योजना की जानकारी 54.67 प्रतिशत व्यक्तियों को है। परन्तु अभी भी 45.33 प्रतिशत लोग जानकारी के अभाव में इस योजना से लाभान्वित नहीं हो पा रहे है।

सारणी संख्या 1.14 महिला आयोग की जानकारी

महिला आयोग की जानकारी	संख्या	प्रतिशत
हां	201	67
नहीं	99	33

सर्वे के अनुसार जिले में 67 प्रतिषत व्यक्तियों को महिला आयोग की जानकारी है और 33 प्रतिशत लोग महिला आयोग एवं उनके कार्य से अनभिज्ञ है।

सारणी संख्या 1.15 महिला दिवस मनाने/जानकारी रखने वाले व्यक्तियों की संख्या

महिला दिवस मनाने की जानकारी रखने वाले व्यक्ति	संख्या	प्रतिशत	मनाने वाले व्यक्ति
हां	82	27.33	82 व्यक्तियों ने मनाया
नहीं	218	72.67	

सर्वे के अनुसार महिला दिवस की जानकारी रखने वाले व्यक्ति जिले में मात्र 27.33 प्रतिषत ही है। महिला आबादी का लगभग तीन चौथाई भाग अभी भी महिला दिवस से अनभिज्ञ है।

सारणी संख्या 1.16 कामकाजी महिलाओं का शोषण

कामकाजी महिला का शोषण	संख्या	प्रतिशत	शोषण के प्रकार
हां	189	63	पुरूषों के बराबर वेतन नहीं, अत्यधिक कार्य देना, प्रताड़ित करना
नहीं	111	37	

RNI : UPBIL/2013/55327
P- ISSN NO.: 2321-290X
E- ISSN NO.: 2349-980X
Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika
VOL-5* ISSUE-1* September- 2017

सर्वे के अनुसार जिले में 63 प्रतिशत व्यक्तियों का मानना है कि कामकाजी महिलाओं का शोषण होता है। इनके कार्य में असमानता कम वेतन एवं प्रताड़ित करने जैसी घटनायें आम बात हैं। मात्र 37 प्रतिशत महिलाओं का मानना है कि कार्य स्थल पर भेदभाव एवं उत्पीड़न नहीं होता है।

सारणी संख्या 1.17 घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम की जानकारी

घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम	संख्या	प्रतिशत
हां	178	59.33
नहीं	122	40.67

जिले में किये गये सर्वेक्षण के अनुसार 59.33 प्रतिशत लोगो को घरेलू हिंसा सरंक्षण अधिनियम की जानकारी है। लेकिन अभी भी 40 प्रतिशत से अधिक व्यक्ति इस अधिनियम से अनभिज्ञ है।

सारणी संख्या 1.18 महिला विकास कार्यक्रम शिविरों की जानकारी

महिला विकास शिविर की जानकारी	संख्या	प्रतिशत
हां	123	41
नहीं	177	59

सर्वे के अनुसार जिले में मात्र 41 प्रतिशत लोगों को ही महिला विकास कार्यक्रम शिविरों की जानकारी है। 59 प्रतिशत व्यक्ति अभी भी महिलाओं के उत्थान और विकास के लिए चलाये जा रहे शिविरों की जानकारी से अनभिज्ञता रखते इसके मुख्य कारण अशिक्षा एवं योजना का उचित प्रचार–प्रसार न होना हैं।

सारणी संख्या 1.19 जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग से संचालित कार्यक्रमों की जानकारी

चूरू जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की जानकारी	संख्या	प्रतिशत
हां	206	68.67
नहीं	94	31.33

जिले में 68.67 प्रतिशत व्यक्तियों को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों की जानकारी है 31.33 प्रतिशत व्यक्तियों को इन कार्यक्रमों की जानकारी न होने से विभाग से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे है।

सारणी संख्या 1.20 चूरू जिले में महिला विकास कार्यक्रमों की स्थिति

चूरू जिले में महिला विकास कार्यक्रमों की स्थिति	संख्या	प्रतिशत
अच्छी	58	19.33
ठीक–ठीक	156	52
खराब	34	11.33
मालूम नही	52	17.33

जनप्रतिक्रियात्मक सर्वेक्षण के अनुसार जिले में 19.33 प्रतिशत लोगों का मानना है कि जिले में महिला विकास कार्यक्रमों की स्थिति अच्छी है। 52 प्रतिशत लोगों के अनुसार इन कार्यक्रमों की स्थिति ठीक–ठीक है। 11.33 प्रतिषत लोगों का मानना है कि महिला विकास कार्यक्रमों का संचालन ठीक से नहीं हो पा रहा है। एवं 17.33 प्रतिशत व्यक्तियों को ऐसे कार्यक्रमों की कोई जानकारी नहीं है। अर्थात लगभग 80 प्रतिशत व्यक्ति इन कार्यक्रमों के संचालन से नाखुश है।

समीक्षा

महिला एवं बाल विकास द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रो और उनसे मिलने वाली सुविधाओं जैसे पोषाहार, स्वास्थ्य, टीकाकरण, शालापूर्व शिक्षा इत्यादि के बारे में लोगों को जानकारी है कि लेकिन इनकी कार्यशैली से काफी नाराजगी है। इनके संचालन में पक्षपात, फर्जीवाड़ा भाई भतीजावाद जैसे आरोप जनप्रतिक्रियाओं में लगाये गये हैं। महिला विकास कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका के बारे में केवल शिक्षित वर्ग को ही जानकारी है। एन.जी.ओ. के सम्बन्ध में नकारात्मक धारणाएं जनमानस में जायी जाती है। प्रभावशाली लोगो द्वारा संचालित तथा प्रभावशाली लोगों को ही फायदा पहुंचाना, फर्जी लाभान्वित दिखाकर व्यय प्राप्त करना, गुणवता की कमी, पक्षपात तथा नाम के ही एन.जी.ओ. होना इत्यादि बाते सामने आयी है। आबादी का बहुत बड़ा भाग एन.जी. ओ. से मिलने वाली मदद एवं सुविधाओं की जानकारी नहीं होने से लाभान्वित नहीं हो रहे है।

जिले में 66.77 प्रतिशत लोगों को स्वयं सहायता समूह के गठन की जानकारी है लेकिन केवल 34 प्रतिशत महिलाएं ही इनकी सदस्यता ग्रहण करती है और लाभान्वित होती है। अतः जिले की अधिकांश महिलाएं आज भी पिछड़ेपन का शिकार है।

बालिका समृद्धि योजना, पुत्री जन्म पर प्रोत्साहन राशि, नरेशा जननी शिशु सुरक्षा, पेंशन योजना, किशोरी स्वास्थ्य, शिक्षा, आयरन की गोलिया साथिन कार्यक्रम, महिला समृद्धि योजना, मातृत्व सहयोग योजना, महिला विकास कार्यक्रम शिवरो इत्यादि के बारे में जानकारी नहीं होने के कारण लाभान्वितों की संख्या कम रही है।

जिले में आधी से अधिक महिलाएं सरकार की महिला नीति, महिला आयोग तथा महिला दिवस के बारे में अनभिज्ञ है जिले में 63 प्रतिशत व्यक्तियों का मानना है कि कामकाजी महिलाओं का शोषण होता है। कार्य में असमानता कम वेतन एवं प्रताड़ित करने जैसी घटनाएं आम बात है। घरेलु हिंसा संरक्षण अधिनियम की केवल 59.63 प्रतिषत लोगो को ही जानकारी है।

जनप्रतिक्रियाओं के द्वारा प्राप्त तथ्यों के विश्लेषण से यह सुनिश्चित माना जा सकता है कि जिले में महिला विकास की स्थिति को केवल 19.33 प्रतिशत महिलाओं ने ही अच्छा माना है। अर्थात महिलाएं घरेलू हिंसा की शिकार, पति द्वारा प्रताड़ित, कामकाजी महिलाए शोषण का शिकार, शिक्षा का स्तर निम्न लिंग भेदभाव तथा परम्परागत अंधविश्वास एवं कुप्रथाओं से ग्रसित है।

सर्वेक्षण के दौरान महिला विकास कार्यक्रमों के सम्बन्ध में सुधारों के रूप में बहुत सारे सुझाव भी प्राप्त हुए है। इनमें से प्रमुख है महिला शिक्षा को बढ़ावा, नीतियों का प्रचार–प्रसार महिला नीति व योजनाओं की समय–समय पर समीक्षा आंगनबाड़ी व एन.जी.ओ. के संगठनों को बढ़ावा व प्रभावी बनाना, महिलाओं को इन कार्यक्रमों से ज्यादा से ज्यादा जोड़ना महिला आयोग के संगठन को गांवो तक पहुंचाना, महिलाओं को सुरक्षा दिलाना, न्यायिक प्रक्रिया

P: ISSN NO.: 2321-290X
E: ISSN NO.: 2349-980X
RNI : UPBIL/2013/55327
VOL-5* ISSUE-1* September- 2017
Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika

सुधार, शराब बन्दी, सुरक्षित वातावरण, महिला आरक्षण, पुरूष की मानसिकता में बदलाव इत्यादि।

निष्कर्ष

अतः जिले में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ करने हेतु महिला विकास कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन की महत्ती आवश्यकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. प्रशासनिक प्रतिवेदन एवं प्रगति रिपोर्ट – महिला बाल विकास विभाग राजस्थान, जयपुर 2015.16, कार्यालय उपनिदेशक महिला बाल विकास विभाग, चूरू।
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सतनगढ, चूरू ए वार्षिक रिपोर्ट 2015,16।
3. ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, राजस्थान, जयपुर 2015,16।
4. ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, राजस्थान, जयपुर 2015,16।
5. निदेशालय साक्षरता एवं सतत शिक्षा, जयपुर बीकानेर
6. कार्यालय उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, चूरू वार्षिक प्रतिवेदन 2013,14।
7. जिला उद्योग केन्द्र, चूरू वार्षिक रिपोर्ट 2015।
8. जिले के विभिन्न क्षेत्रो से प्रश्नावली में शामिल व्यक्तियों से व्यक्ति सम्पर्क।